हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

तापमान

अधिकतम 22 .6 डिग्री
न्यूनतम 2 .5 डिग्री

12 पूर्व मंत्री डॉ. गुप्ता ने सुनीं प्रधानमंत्री की 'मन की बात'

12 रचनात्मकता को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान

खबर संक्षेप

मोबाइल व नकदी लूट मामले में आरोपी काबू

हिसार। मंगाली चौकी पुलिस ने लूट की वारदात में तीसरे आरोपी ढाणी माहू निवासी विशाल को गिरफ्तार किया है। 2 दिसंबर को पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि मंगाली कुटिया के पास सातरोड खुर्द निवासी हिमांशु के साथ लूट की वारदात हुई है। सूचना पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए पुलिस मौके पर पहुंची तो पीड़ित हिमांशु ने पुलिस बताया कि वह शाम लगभग 08:05 बजे अपनी बाइक पर तोशाम से हिसार की ओर आ रहा था।

बरवाला जनसेवार्थ ट्रस्ट ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

बरवाला। बरवाला जनसेवार्थ ट्रस्ट की ओर से पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री गीता भवन में दसवां स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में जनरल फिजिशियन डॉ. संदीप वर्मा, महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एकता व फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. मनदीप सिंह की उपस्थिति में नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

ग्रामीण महिलाओं की खेल प्रतियोगिता संपन्न

नारनौंद। राखीगढ़ी महोत्सव को और ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सुपरवाइजर गरिमा शर्मा ने बताया कि 100 मीटर की दौड़ में भैणी अमीरपुर की मौसम ने प्रथम, सुनीता ने दूसरा, कविता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर में कविता ने प्रथम, सुदेश ने दूसरा ओर अनुराधा सुलचानी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

दो तस्कर काबू, हेरोइन और गांजा बरामद

हिसार। जिले में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों से हेरोइन व गांजा बरामद हुआ है। पुलिस की नशा निरोधक पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर गांव किरमारा निवासी पवन कुमार उर्फ पोनी को उसके घर से काबू किया।

प्रकाश पर्व पर गुरमत समागम आयोजित

हांसी। पुरानी सब्जी मंडी रोड स्थित गुरुद्वारा बाबा बंदा सिंह बहादुर साहिब में रविवार को सरबंस दानी दशमेश गुरू श्री गुरू गोबिंद सिंह महाराज जी का प्रकाश पर्व बड़ी श्रद्धाभाव से मनाया गया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सचिव सतवंत सिंह घई ने बताया कि प्रकाश पर्व की खुशी में संगतों द्वारा प्रातः काल की ठंड की परवाह ना करते हुए 17 दिसंबर से प्रारंभ हुई प्रभात फेरियों का समापन रविवार की प्रभात फेरी में किया।

एडवोकेट संदीप बने सतरोल खाप के प्रधान

नारनौंद। सतरोल खाप के प्रधान का निधन होने के बाद काफी समय से यह पद खाली पड़ा हुआ था। रविवार को गांव उगालन की चौपाल खाप पंचायत का आयोजन रामफल पाली की अध्यक्षता में हुआ। इसमें एडवोकेट संदीप खरब को प्रधान चुना गया।

'ज़हर जो हमने पिया' पुस्तक पर कार्यक्रम

हिसार। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सातरोड़ खास में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के अंतर्गत 'ज़हर जो हमने पिया' पुस्तक पर आधारित विशेष आपबीती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पुस्तक में 41 महिलाओं की आपबीती संकलित है, कार्यक्रम में वैष्णवी, बिमला, सेवा, अनिता, दर्शना, बेदो, बिमला रानी व सुमन उपस्थित रहीं।

मंडल आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता समापन अवसर पर रहे मुख्य अतिथि

तीन दिवसीय राखीगढ़ी महोत्सव का रंगारंग समापन, हजारों दर्शकों की रही मौजूदगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

तीन दिवसीय ऐतिहासिक राखीगढ़ी महोत्सव का भव्य एवं रंगारंग समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह में हिसार मंडल के आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता ने मुख्य अतिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त महेंद्र पाल ने की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन सहित अनेक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, गणमान्य नागरिक, खिलाड़ी, कलाकार तथा बड़ी संख्या में दर्शक एवं पर्यटक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि मंडल आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता ने हजारों की संख्या में उपस्थित दर्शकों और पर्यटकों को संबोधित करते हुए कहा कि राखीगढ़ी आकर उन्हें अत्यंत खुशी और गौरव की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि सिंधु-सरस्वती घाटी सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध सभ्यताओं में से एक है।

सिंधु-सरस्वती घाटी सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन ● अध्यक्षता डीसी ने की

राखीगढ़ी में पुरातात्विक खुदाई के दौरान मिले साक्ष्य यह प्रमाणित करते हैं कि उस समय के लोग अत्यंत उन्नत, विद्वान और वैज्ञानिक सोच वाले थे। हमारे पूर्वजों की विद्वत्ता और संस्कृति पीढ़ी दर पीढ़ी हम तक पहुंची है, जिस पर हम सभी को गर्व होना चाहिए।

खेल मुकाबलों में ये रहे विजयी

राखीगढ़ी महोत्सव में आयोजित 65 किलोग्राम भार के कुश्ती मुकाबले में मिर्चपुर गांव के खिलाड़ी संदीप प्रथम स्थान पर रहे। इन्हें 51 सो की नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। 92 किलो वर्ग भर में डाबड़ा गांव के खिलाड़ी सचिन प्रथम स्थान पर रहे, उन्हें 21 हजार की नगद राशि देकर सम्मानित किया गया, इसी प्रकार से 125 किलोग्राम वर्ग भार में मिर्चपुर गांव के खिलाड़ी रोहित प्रथम स्थान पर रहे उन्हें भी 21 हजार की राशि देकर सम्मानित किया। कबड्डी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में जींद की टीम प्रथम रही। महिला वर्ग में भिवानी रोहिल्ला गांव की टीम प्रथम स्थान पर रही। कुश्ती प्रतियोगिता में महिला वर्ग में 53 किलोग्राम भार मुकाबले में किरण प्रथम स्थान पर रही उन्हें 51सौ की राशि, 62 किलो ग्राम वर्ग भार मुकाबले में अंशिका प्रथम स्थान पर रही उन्हें 8100 की राशि तथा 72 किलोग्राम वर्ग भर के मुकाबले में मनीषा प्रथम स्थान पर रही इन्हें 81 00 रुपए की राशि देकर सम्मानित किया गया।

नारनौंद। राखीगढ़ी महोत्सव में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते मंडल आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता व अन्य। फोटो: हरिभूमि

राखीगढ़ी महोत्सव की सराहना

प्रदर्शनी स्टालों के निरीक्षण के दौरान नागरिकों ने उपायुक्त महेंद्र पाल से बातचीत करते हुए राखीगढ़ी महोत्सव की जमकर सराहना की। लोगों ने बताया कि इस महोत्सव के माध्यम से उन्हें सिंधु-सरस्वती घाटी सभ्यता एवं संस्कृति और पुरातात्विक धरोहर से जुड़ी कई नई और महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुई हैं। उन्होंने महोत्सव को लेकर किए गए प्रशासनिक प्रबंधों की भी प्रशंसा की। इस अवसर पर उपायुक्त महेंद्र पाल ने युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं से संवाद कर न केवल उनका फीडबैक लिया, बल्कि आगामी वर्ष आयोजित होने वाले राखीगढ़ी महोत्सव को और अधिक भव्य एवं बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी आमंत्रित किए। उन्होंने छोटे बच्चों को दुलार कर उनका उत्साह भी बढ़ाया। समापन अवसर पर एसडीएम वेद प्रकाश बेनीवाल ने मुख्य अतिथि रवि प्रकाश गुप्ता, उपायुक्त महेंद्र पाल, पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन, सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवकों एवं क्षेत्रवासियों का महोत्सव को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने सभी को नववर्ष की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

डीसी महेन्द्रपाल ने लिया खिलाड़ियों से परिचय

समापन समारोह से पहले मुख्य अतिथि मंडल आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता और उपायुक्त महेंद्र पाल ने खेल मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने खिलाड़ियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर कड़ी मेहनत करने, अनुशासन बनाए रखने और खेल को खेल भावना के साथ खेलने का संदेश दिया। इस दौरान खिलाड़ियों ने दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सेल्फी ली तथा ग्रुप फोटो भी खिंचवाए, जिससे उत्साह का माहौल और भी बढ़ गया।

नारनौंद। राखीगढ़ी में खिलाड़ियों के साथ अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

प्रदर्शनी व स्टालों का अवलोकन किया

मुख्य अतिथि मंडल आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता, उपायुक्त महेंद्र पाल ने महोत्सव स्थल पर विभिन्न विभागों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी स्टालों का भी अवलोकन किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद करते हुए उनके द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की जानकारी ली और सराहना की। अधिकारियों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

आयुक्त ने विजेताओं को किया सम्मानित

इस अवसर पर मंडल आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता ने तीन दिवसीय राखीगढ़ी महोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर तथा नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। साथ ही महोत्सव को सफल बनाने में कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी से कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

नारनौंद। राखीगढ़ी महोत्सव में अपने स्टॉल पर उत्पादों की बिक्री करती अनीता देवी।

अनीता ने स्वयं सहायता समूह से रची सफलता की मिसाल

■ खरक पूनिया गांव के प्रगति स्वयं सहायता समूह के उत्पादों की मांग हो रही दिल्ली से जापान तक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

राखीगढ़ी महोत्सव में खरक पुनिया गांव के प्रगति स्वयं सहायता समूह द्वारा लगाया गया स्टॉल इन दिनों लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस स्टॉल की संचालिका अनीता देवी ने अपने हुनर और मेहनत से यह साबित कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन और सरकारी सहयोग मिले, तो ग्रामीण महिलाएं भी आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख सकती हैं। स्टॉल संचालिका अनीता देवी ने बताया कि उनका स्वयं सहायता समूह वेस्ट अखबारी कागज और मुल्तानी मिट्टी से पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद तैयार करता है। इनमें बोईया, गुल्लक, फूल, दीये, मोबाइल चार्ज रखने के बर्तन, खिलौने सहित कई सजावटी और उपयोगी वस्तुएं शामिल हैं। यह सभी उत्पाद घर पर ही तैयार किए जाते हैं और इनकी कीमत 50 से लेकर 500 रुपए तक रखी गई है। अनीता देवी ने बताया कि राखीगढ़ी महोत्सव में उनके उत्पादों की जबरदस्त मांग देखने को मिल रही है। इसके अलावा हर महीने करीब 80 हजार से एक लाख रुपये तक के उत्पादों की बिक्री हो जाती है। खास बात यह है कि इन उत्पादों की मांग केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि शहरी क्षेत्रों में इनकी मांग और भी अधिक है। उन्होंने बताया कि समूह के उत्पाद ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से दिल्ली सहित देश के अन्य शहरों में सप्लाई किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं, जापान से भी इन उत्पादों की मांग आ रही है और समूह वहां भी अपने उत्पादों की आपूर्ति कर रहा है, जो ग्रामीण महिला उद्यमिता के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अनीता देवी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक सहायता के साथ-साथ देश और प्रदेश में लगने वाले मेलों में निशुल्क स्टॉल भी उपलब्ध करवाए जाते हैं। इसके अलावा महिलाओं के लिए रहने और खाने की व्यवस्था भी मुफ्त की जाती है, जिससे उन्हें अपने उत्पादों को बड़े स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। खरक पुनिया गांव की अनीता देवी और उनका प्रगति स्वयं सहायता समूह आज उन महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुका है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद कुछ नया करने का जज्बा रखती हैं। यह स्टोरी न सिर्फ महिला सशक्तिकरण की मिसाल है, बल्कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत की सोच को भी मजबूत करती है।

समूह में 10 महिलाएं

बारहवीं कक्षा तक पढ़ी अनीता देवी ने बताया कि वह काफी समय से स्वयं सहायता समूह चला रही हैं। उनका यह समूह राज्य सरकार की सहायता से संचालित हो रहा है, जिसमें सरकार द्वारा बहुत ही कम ब्याज दर पर आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। इस समूह में कुल 10 महिलाएं शामिल हैं, जो मिलकर उत्पादन और बिक्री का कार्य संभालती हैं।

महाराजा शूरसैनी जयंती मनाई

■ हमें महाराजा शूरसैनी के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए : गोल्डी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

सैनी धर्मशाला नारनौंद में महाराजा शूरसैनी जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सैनी सभा धर्मार्थ ट्रस्ट के प्रधान शमशेर सैनी ने की। जयंती में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष गोल्डी सैनी ने बताया कि महाराजा शूरसैनी बहुत ही पराक्रमी व शास्त्रों के ज्ञाता राजा हुए हैं और इनका साम्राज्य बहुत ही दूर-दूर तक फैला हुआ था। हमें इनके दिखाए हुए मार्ग पर चलना चाहिए। खेदड़ के सरपंच रमेश सैनी व बास गांव के समाजसेवी सूरजमल सैनी ने भी सभा को संबोधित किया।

नारनौंद। महाराज शूरसैनी जयंती कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर नारनौद नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन भीरा सैनी, नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन शमशेर सैनी, रमेश सैनी, पवन सैनी, सभा के पूर्व प्रधान शमशेर सैनी, नगर पार्षद अमित सैनी, नगर पार्षद सुखबीर सैनी, नगर पार्षद प्रतिनिधि संदीप सैनी, रामपाल सैनी भैणी अमीरपुर, सैनी महापंचायत हरियाणा के नारनौद हलका अध्यक्ष सुरेश सैनी व सैनी महापंचायत के राज्य के सदस्य दीपक सैनी खांडा खेड़ी, संदीप सैनी, बिंदर सैनी, सज्जन सैनी, एडवोकेट रोहतास सैनी, शीलू सैनी, बज्जे सैनी, बंटी सैनी, मुकेश सैनी, नानूराम सैनी, ईश्वर सैनी, राजकुमार सैनी, अमित सैनी, रणबीर सैनी, रामकुमार, हरिओम, सुशील, सतबीर, राजू, नरेश सैनी भैणी अमीरपुर, प्रवीण, रामनिवास, सुनील आदि शामिल हुए।

विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर की चर्चा

■ रॉयल स्कूल खारा खेड़ी में पीटीएम एवं वार्षिक खेल दिवस का सफल आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

रॉयल इंटरनेशनल रेज़िडेंशियल स्कूल में नर्सरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए अभिभावक–शिक्षक बैठक (पीटीएम) एवं वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों ने शिक्षकों से संवाद कर अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा की। इसके पश्चात विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए मनोरंजक एवं उत्साहपूर्ण खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोरखपुर के सरपंच मनदीप योगी व योग भारती के कृष्ण बलदेव गोदारा मुख्य अतिथि रहे। वार्षिक खेल दिवस का शुभारंभ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। मुख्य अतिथियों का स्वागत बैंड द्वारा मधुर धुन प्रस्तुत कर किया गया तथा उनके सम्मान में स्वागत गीत गाया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने जुम्बा एवं छाता नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

इसके बाद मनमोहक हरियाणवी नृत्य ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में भांगड़ा एवं गिद्धा की ऊर्जावान प्रस्तुतियों ने वातावरण को और भी उल्लासमय बना दिया। इसके उपरांत नर्सरी से कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन अभिभावकों एवं शिक्षकों के बीच हुए रोमांचक रस्साकसी मुकाबले के साथ हुआ, जिसने पूरे माहौल को आनंद और ऊर्जा से भर दिया।

हिसार। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि। फोटो: हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर स्कूल संचालिका डॉ. ज्योत्स्ना, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डॉ. डीवी नेहरा (रिटायर्ड), सीनियर कोऑर्डिनेटर पूनम बिश्नोई, गतिविधि इंचार्ज वर्षा और अन्य अध्यापकगण उपस्थित रहे।

राखीगढ़ी महोत्सव स्थल पर बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही

पेंटिंग प्रतियोगिताओं के जरिए बच्चों तक पहुंच रही सिंधु घाटी सरस्वती सभ्यता की विरासत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

राखीगढ़ी महोत्सव के दौरान पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही पेंटिंग प्रतियोगिता सिंधु घाटी सभ्यता एवं संस्कृति को बच्चों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महोत्सव स्थल पर आयोजित इन रचनात्मक प्रतियोगिताओं में बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही है। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत पेंटिंग, पॉट पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग तथा रंगोली जैसे विषयों पर बच्चों की अलग-अलग प्रतियोगिताएं करवाई जा रही हैं। इन चारों प्रतियोगिताओं का मुख्य विषय सिंधु-सरस्वती घाटी सभ्यता से जुड़े पुरातात्विक स्थलों से प्राप्त प्राचीन वस्तुएं रखी गई हैं, ताकि बच्चे अपनी कला के माध्यम से अपने समृद्ध इतिहास और संस्कृति को समझ सकें। प्रतियोगिता में भाग ले रहे बच्चे बुल सील, मानव कंकाल, प्राचीन चूड़ियां, खिलौने इत्यादि अन्य ऐतिहासिक अवशेषों पर आधारित आकर्षक पेंटिंग व मॉडल तैयार कर रहे हैं। बच्चों की कलाकृतियों में हड़प्पा कालीन जीवन शैली, आभूषण, धार्मिक आस्थाएं और कला कौशल स्पष्ट रूप से झलक रहा है।

नारनौंद। राखीगढ़ी महोत्सव प्रतियोगिता में पेंटिंग को देखते हुए पर्यटक।

इतिहास के प्रति बढ़ती है रुचि

शिक्षाविदों और अभिभावकों का मानना है कि इस तरह की गतिविधियों से बच्चों में इतिहास के प्रति रुचि बढ़ती है और वे पुस्तकों के साथ-साथ व्यवहारिक व रचनात्मक माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझ पाते हैं। राखीगढ़ी महोत्सव में आयोजित यह प्रतियोगिता न केवल बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान कर रही है, बल्कि आने वाली पीढ़ी को सिंधु सरस्वती घाटी सभ्यता से जोड़ने का सशक्त माध्यम भी बन रही है।

नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में हिसार के युवराज ने जीता स्वर्ण और कांस्य पदक

हिसार। 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप की पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए हिसार के युवराज ने स्वर्ण पदक एवं कांस्य पदक जीतकर हरियाणा और देश का नाम रोशन किया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। वर्तमान में युवराज इस समय मलिक शूटिंग रेंज, हिसार (हरियाणा) में कोच संजय मलिक की देखरेख में निरंतर अभ्यास कर रहा है और आगामी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में जुटा हुआ है। इस अवसर पर हरियाणा की गौरवशाली पर्वतारोही, माउंट एवरेस्ट व माउंट लहोत्से विजेता मीनू कालीरमन ने युवराज को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मीनू कालीरामन ने कहा कि युवराज की यह सफलता कठिन परिश्रम, अनुशासन और अटूट संकल्प का परिणाम है, जो आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

खोड़िया नृत्य की परंपरा

हरियाणा में विवाह के समय खोरिया (खोड़िया) एक प्रसिद्ध और मनोरंजक परंपरा है, जो दूल्हे की बारात जाने के बाद घर पर महिलाओं द्वारा निभाई जाती है; इसमें वे मंगल गीत गाती हैं, हंसी-मजाक करती हैं और विवाह के दृश्यों का नाटकीय अभिनय करती हैं। इसमें दूल्हा-दुल्हन और अन्य किरदारों की नकल की जाती है, जिससे उनका मनोरंजन होता है और घर की सुरक्षा भी होती है, साथ ही नवविवाहित जोड़े के सकुशल लौटने की कामना की जाती है।

हरिभूमि
रोहतक, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

हरियाणवी लोकगीतों में विवाह संस्कार

हरियाणवी लोकगीत केवल गाए नहीं जाते, वे जिए जाते हैं। इनमें समाज की संरचना है, रिश्तों की मर्यादा है, नारी के अनुभव हैं और जीवन का यथार्थ भी। आज भले ही आधुनिकता की आंधी में डीजे और फिल्मी गीत शादियों का हिस्सा बनते जा रहे हों, लेकिन जब आँगन में कोई बुज़ुर्ग धीमे स्वर में गुनगुनाती है- "बन्नी चली परदेस, छोड़ आई बाबुल का देस.."तो लगता है कि हरियाणा की आत्मा अब भी इन्हीं लोकगीतों में सांस ले रही है। विवाह लोकगीत वास्तव में संस्कृति की वह धरोहर हैं, जो बदलते समाज को उसकी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा की गौरवशाली संस्कृति में लोकगीत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। जहाँ लोकगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जनमानस के दिल की धड़कन अनुभव होते हैं। हरियाणवी लोकगीतों की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध है, जिसमें विविधता का असीम सागर लहराता है। यहाँ ऋतुओं के बदलने पर 'सावण के गीत' और 'तीज के मल्हार' गाए जाते हैं, तो खेतों में काम करते समय 'जकड़ी' और 'रागिनियों' के स्वर गूंजते हैं। वीर रस से भरे 'आल्हा' जहाँ भुजाओं में बल भरते हैं, वहीं भक्ति रस से सराबोर 'भजन' आत्मिक शांति देते हैं।

हरियाणवी लोकगीतों में अद्भुत विविधता प्राप्त होती है और जीवन के सभी संस्कारों पर गीत गाए जाते हैं, फिर चाहे जन्म हो अथवा मृत्यु है। संस्कारों में अत्यधिक महत्वपूर्ण विवाह संस्कार पर तो इनकी परंपरा बहुत प्रभावित करती है। इस विशाल परंपरा में 'विवाह के गीत' संस्कारों की नींव को मज़बूत करते हैं।

विवाह के संस्कार की शुरुआत सगाई से होती है। जैसे ही रिश्ता तय होता है, घर के आँगन में खुशी की लहर दिखाई देती है। विवाह की रस्में बान और तेल से शुरू होती हैं। हरियाणवी परंपरा में बान 5, 7 या 9 दिन पहले बैठाए जाते हैं। यानी दूल्हा या दुल्हन को शादी वाले दिन तक रोज़ाना हल्दी-तेल (बटना) लगाया जाता है और नहलाया जाता है। इसे ही 'बान फिरना' कहते हैं। इस समय महिलाएं 'तेलन' को संबोधित करते हुए गाती हैं:

"तारो ए तेलन तेल, म्हारे बन्ने कै चढ़ैगा तेल,
हरया-हरया गोबर मंगाओ, आंगण लिपाओ ए...
म्हारा बन्ना बैठैगा ए, बिछाओ रंगीले खेल,
सोने की कटोरी में, तारो ए तेलन तेल।"

इसके बाद जब दूल्हे या दुल्हन को पटड़े (चौकी) पर नहलाया जाता है, तो दादी और ताई 'समंदर के पानी' की उपमा देते हुए बड़े लाड़ से गाती हैं:

"तात्ता पाणी ए समंदरां का, पोता/बेटा न्हाइयो ए म्हारे दादा/ताऊ/बाबू का....

अंत में तेल चढ़ाते समय घर की बुज़ुर्ग महिलाएँ शगुन मनाती हैं और नज़र उतारती हैं:

"तेल चढ़ाओ ए बन्नो री दादी, लाड लड़ाओ,
तेल चढ़ाओ ए बन्नो री ताई, शगुन मनाओ
म्हारी बन्नो का रूप सवाया, चाँद सा उजियार,
नज़र न लागे किसी की, राखो जी भरतार"

बान के दिन से ही रात के समय महिला संगीत शुरू हो जाता है, जिसमें बन्ना-बन्नी के सौंदर्य, चतुराई और भविष्य की कल्पनाएँ गीतों में ढलती हैं :

"बन्ना तो हांडे अपने बाबा जी की गलियां
दादी तो फिरै रहसी रहसी रे महल में
सेर मोती बारूं जी बन्ने पै
मोती भी वारूं मैं तो हीरे भी वारूं सेर मोती..."

एक और गीत में बन्नी अपने बन्ने को कहती है:

बन्ना जी मैं तो राज घर सै आई
बन्ना जी तेरे बाबा की ऊंची हवेली
बन्ना जी तेरे बाबल की ऊंची हवेली
बन्ना जी मैं तो चढ़ती चढ़ती आई

इसके बाद विवाह के दिन भात से पहले कुम्हार के घर जाकर 'चाक पूजने' की रस्म बहुत महत्वपूर्ण है। यह रस्म सृजन के प्रतीक 'चाक' (पहिए) के प्रति सम्मान व्यक्त करती है ताकि नए दांपत्य जीवन का पहिया भी निर्बाध चलता रहे। महिलाएं गाती हुई जाती हैं:

"चाक पूजन चाल पड़ी, सुहागन नार,
साथ में सखियाँ गावें, मंगल चार
कुम्हारन ए, दे दे मटकिया का साथ,
तेरे चाक पे बनरी की, सुधरेगी बात"

चाक पूजन के बाद विवाह की यात्रा का सबसे भावुक रिवाज होता है 'भात'। बहन विवाह से पहले अपने भाई को न्योता देती है और गीतों के माध्यम से भात के लिए बुलावा देते हुए कहती है:

'बीरा मेरा मान बढ़ाइयो रे,
मैं न्यौतण आई भात
बीरा तीन मंजली हेली ,
मैं ल्याई रे भात की भेली"

इस परंपरा में वह पल बहुत भावुक करने वाला होता है जब विवाह के दिन भाई भात लेकर आता है और बहन आस-पड़ोस की सभी स्त्रियों संग भात लेते हुए गीतों से भाई का स्वागत करती हुई गाती है:

'मत बरसो इन्द्र राजा जी मेरी मां का जाया भीजै
मेरी मां का जाया भीजै, मेरा सगा भतीजा भीजै
मत बरसो इन्द्र राजा जी, मेरी मां का जाया भीजै''

भात लेने के बाद 'मांढा' बंधन की रस्म होती है और गाया जाता है:

किन्नै यो मांढा पिछवाडिआं
किन्नै यो पूर्या सै चोंक
मांढलड़ा सिरी राम का

इसके बाद जब दूल्हा घोड़ी पर चढ़ता है। बैंड बाजे के साथ बहनें और गाँव की महिलाएँ गाती हैं:

मुबारक सादी हो बनड़े ये घोड़ी नाचती आई
तेरे बाबा हजारी नै बड़ी दूरों से मंगवाई
बनड़े की घोड़ी बिदकै मेरा कलेजा धड़कै
सीस बने के सेहरा, लड़ियां से लाल लटकै
गले बने के तोड़ा, घूण्डी से लाल लटकै
हाथ बने के घड़ियां, कांगणे सै लाल लटकै

फिर दूल्हा बारात लेकर ससुराल पहुंचता है तो स्वागत में 'सीठणे' (मीठी गालियाँ) गाए जाते हैं। यह हरियाणवी लोकगीतों का सबसे रोचक पक्ष है, जहाँ समधियों के रंग-रूप और वेशभूषा पर व्यंग्य किए जाते हैं:

'बाज्या रे नगाड़ा रणजीत का जणू हाक्यम आया
अपणी बेबे न छोड़ के हे म्हारे ब्याहवण आया'
'हमने बुलाए गोरे-गोरे, काले-काले आये रे पसेरे,
हमने बुलाए लंबे-लंबे, ओछे-ओछे आये रे पसेरे '

'फेरे' विवाह के पावन बंधन का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र पड़ाव होता है। जब फेरों के लिए पूजन शुरू होता है तो दुल्हन की सखियां गाती हैं :

दादा देस जांदा परदेस जाइयो म्हारी जोड़ी का बर ढूंढियो
लाडो देस जांदा परदेस जांगा, ढूंडिया सै फूल गुलाब का
ताऊ देस जांदा परदेस जाइयो म्हारी जोड़ी का वर ढूंडियो

अग्नि के सात फेरे लेते समय वधू का अधिकार क्षेत्र बदलता है। हरियाणवी लोकगीतों में हर फेरे के साथ बेटी के 'पराई' होने का दर्द अनुभव किया जा सकता है:

पहला फेरा लीजिए दादा की हे पोती
दूजा फेरा लीजिए ताऊ की हे बेटी
तीजा फेरा लीजिए बाबल की हे बेटी
चौथा फेरा लीजिए काके की हे बेटी
पांचमा फेरा लीजिए मामै की हे भाणजी
छठा फेरा लीजिए नाना की हे दोहती
सातवां फेरा लीजिए लाडो होई पराई

फेरों के बाद 'छन्न' सुनने की रस्म भी होती है जिसमें दूल्हे को छन्न सुनाने के लिए कहा जाता है :

छन्न पक्कियां छन्न पक्कियां, छन्न के ऊपर केसर। सासू मेरी पारवती, सोहरा परमेसर।।

छन्न के बाद विदाई का समय बहुत भावुक करने वाला होता है। बेटी का घर से जाना, बचपन की यादें और माता-पिता का विलाप इन गीतों का मुख्य स्वर होता है। कोयल की उपमा देकर गाया जाने वाला यह गीत अत्यंत मार्मिक है:

"कोयल चालि ए बागां न छोड़ कै,
ए मन्नै कूकर राखोगे मेरी माए...
जिन गलियों में बचपन बीता,
वही गली बिसराई ए,
मात-पिता को छोड़ के बन्नी,
हो गई आज पराई ए"

एक और पारंपरिक विदाई गीत जो मन को छू जाता है:

मेरी बन खंड को कोयल बन खंड छोड़ कहां चली
मेरे ताऊ ने बोले हैं बोल बचन की मारी मैं चली
मेरी बन खंड की कोयल बन खंड छोड़ कहां चली
मेरे बाबुल ने बोले हैं बोल बचन की मारी मैं चाली

दूसरी तरफ बारात के विदा होने के बाद, जब घर सूना हो जाता है, तब 'खोड़िया' का आयोजन होता है। यह स्त्रियों का निजी उत्सव है, जहाँ घूंघट की मर्यादा से परे हटकर वे दूल्हा-दुल्हन बनने का नाटक करती हैं :

"खोड़िया मा खोड़िया, आज म्हारे घर आवे नई बहु,
कोरी-कोरी चांदी का हसला घड़ाया...
आज म्हारे बेटे की सुहाग वाली रात।
दुख भूल कै हँस ले आज, यही है रीति की बात।"

असल में हरियाणवी लोकगीत केवल गाए नहीं जाते, वे जिए जाते हैं। इनमें समाज की संरचना है, रिश्तों की मर्यादा है, नारी के अनुभव हैं और जीवन का यथार्थ भी। आज भले ही आधुनिकता की आंधी में डीजे और फिल्मी गीत शादियों का हिस्सा बनते जा रहे हों, लेकिन जब आँगन में कोई बुज़ुर्ग धीमे स्वर में गुनगुनाती है-"बन्नी चली परदेस, छोड़ आई बाबुल का देस.."तो लगता है कि हरियाणा की आत्मा अब भी इन्हीं लोकगीतों में सांस ले रही है। हरियाणवी विवाह लोकगीत वास्तव में संस्कृति की वह धरोहर हैं, जो समय के साथ बदलते समाज को उसकी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

गीत | **राजपाल सिंह गुलिया**

तेरी खेती हरी-भरी

बुरा न माने तै भैया कुछ, मैं भी कह द्यूँ खरी -खरी।
बिना सँभाले सूखण लाग्यी , तेरी खेती हरी-भरी ॥

धन दौलत पा कै नै माणस , देख नसे म्हं चूर हुए ।
काणा कहकै दाम माँगते , ये इतणे मगरूर हुए ॥
जरगी सैं इनकी पुश्तैनी , तलवारें भी धरी - धरी ॥

छोरा रोज रात नै आवै, बाहर तैं ए खा पी कै।
काल्ह कही तै न्यू बोल्या के ,करणा सै हमनै जी कै।
बहू रोज याह बिना बात बस, बैठी रह सै डरी -डरी।

खरा कमावै खोटा खावै , याह होग्यी सै रीत हड़ै।
बाकलियाँ का ब्यौंत देख कै , गावैं सैं सब गीत हड़ै ॥
किसै न मत छेड़ो भाई , बैठी दुनिया भरी - भरी।

खरी कहणिया माणस सभ नै , भोत घणे लागैं खोटे ।
साँची कह कै बदनामी के, ये बाँधैं रोज भरोटे ॥
लांछन लाग्याँ पाच्छै बोली, लिकड़ै सै याह मरी-मरी।

ग़ज़ल | **रिसाल जांगड़ा**

पड़्या मिरे तै काम नहीं सै।
उसने करया सलाम नहीं है।

बिस्तर तो सै सोन्ने का पर,
दिल नै तो आराम नहीं है।

ठूंठ बणी निरधन की जिंदगी,
सिर पै सुख की छाम नहीं है।

उस माणस नै दू रह्या सूँ,
जिसके सिर इलजाम नहीं है।

इस कलजुग की रामायण म्हं,
रावण तो सै राम नहीं है।

जड़ै छिप्या दिन रैन गुजारी
साधू का घर-गाँम नहीं सै।'

रिसाल' चाँद तै यारी लाकै,
सोया रात तमाम नहीं है।

रागनी | **सत्यवीर नाहड़िया**

बोल्ली या हरयाणी

चाळा करगी-भास्सा बरगी, बोल्ली या हरयाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

आन अनूठी-तान अनूठी, इस बोल्ली की न्यारी।
बोल निराळे-तोल निराळे, जाणै दुनिया सारी।
कड़कै भारी-पर सै प्यारी, बोल्ली सिद्धी-स्याणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

इस म्हैं पाणा-यो हरयाणा, गीत-रागनी न्यारी।
पाड़ैं चाळे-सांग निराळे, भजन-सबद लयकारी।
छप ल्यी सारी-साखी भारी, कबिता कथा-कहाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

धूम मचावै-झट छा ज्यावै, जित जा खुलकै बोल्ली।
गुँज्जै न्यारी-बोल्ली म्हारी, बोल्लीबुड नै तोल्ली।
लखमी डोल्ली-इस म्हैं झोल्ली,तकत-तोड़ थी गाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, या सै भोत पुराणी।।

मिट ज्या रास्सा-पलटै पास्सा, अंबर गान चढ़ावै।
सभनै आस्सा-बणकै भास्सा, माट्टी-मान बढ़ावै।
दिन वो आवै-मंगळ गावै, 'नाहड़िया' की बाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

जागीर

आयरलैंड वासी जार्ज थॉमस ने वर्ष 1797 में हांसी को अपने नवगठित राज्य हरियाणा की राजधानी बनाया था

ऐतिहासिक नगर हांसी का प्राचीन रुतबा बहाल

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

हरियाणा सरकार ने हांसी को एक नया जिला बनाकर इस ऐतिहासिक नगर के गौरवमयी रुतबे को पुनर्जीवित कर दिया है। सदियों पुराने इस ऐतिहासिक नगर का प्राचीन नाम आसिका होता था जो शाही सुलेमान मार्ग पर स्थित था। यहां के ऐतिहासिक किले का निर्माण सम्राट पृथ्वीराज द्वारा किया गया था। इसका समय-समय पर शासकों ने भरपूर उपयोग किया था।

आयरलैंड वासी जार्ज थॉमस द्वारा वर्ष 1797 में हांसी को अपने नवगठित राज्य हरियाणा की राजधानी बना लिया था। प्राचीन किले में उसने सिक्के ढालने के वास्ते टकसाल भी स्थापित की थी, लेकिन चार वर्षों बाद 1801 में एक लम्बे लड़े गए युद्ध के बाद उसको हांसी से प्रस्थान करना पड़ा। फिर अंग्रेजों ने 1809-10 में हांसी में अपनी नई रिसाला छावनी स्थापित की तथा कुछ वर्षों बाद हांसी क्षेत्र कर्नल स्कीनर को जागीर के तौर पर प्रदान किया गया। स्कीनर की मृत्यु के बाद अंग्रेजों ने फिर एक बार हांसी के रुतबे को कम कर दिया था, लेकिन वही हांसी का किला 1857 में अंग्रेजों का महत्वपूर्ण मुख्यालय भी बना। इसमें पंजाब के फिरोजपुर से कोर्टलैन्ड अंग्रेज के नेतृत्व में एक नवगवित सेना हांसी में पहुंच गई तथा हरियाणा क्षेत्र के क्रांतिकारियों को दिल्ली जाने से रोकने में सफल भी रही। दिल्ली स्थित अंग्रेज सेना को कवच प्रदान करने वाली उस सेना को हरियाणा फील्ड फोर्स का नाम दिया गया था जो हांसी के किले में लगभग एक वर्ष तक जमी रही और वहीं से उस सेना ने ओढ़ां, खैरिका व जमालपुर आदि स्थानों पर क्रांतिकारियों से भीषण युद्ध किए थे।

हांसी नगर का ऐतिहासिक बड़सी गेट का दृश्य।

हांसी में स्थित अली तज्जार का मकबरा।

यहां चार कुतुब विराजमान

मुस्लिम समुदाय के विख्यात धार्मिक चार कुतुबों के यहां विराजमान रहने के कारण भी हांसी प्रसिद्ध नगर रहा था। नगर के चारों तरफ खिलजी सुलतान ने वर्ष 1300 के आसपास एक दीवार भी निर्मित करवाई थी जिसमें पांच प्रवेशद्वार थे। उन्हीं में से एक बड़सी गेट पर शिलालेख भी मौजूद है। ऐसे प्राचीन ऐतिहासिक नगर को अब एक जिले का दर्जा देकर मुख्यमन्त्री नायब सैनी ने सराहनीय कार्य किया है। इसी हांसी नगर में अंग्रेजों का ज्यादातर वास्ता रहने के कारण ही हिसार में घोड़ा फार्म स्थापित हुआ था। हांसी नगर में चार कुतुब परिसर के पास अली- तज्जार व लखी बनजारे के विशाल मकबरे स्थित हैं। वहीं पर स्कीनर की दो बेगमों के जुड़वां मकबरे भी बने हुए हैं। इनमें फारसी भाषा में शिलालेख अंकित हैं। यद्यपि ऐतिहासिक किला संरक्षित होने के बावजूद खंडहर बन चुका है, लेकिन जार्ज थॉमस द्वारा निर्मित हौज, बारूद खाना व बाह्य चौकियां आज भी दर्शनीय हैं, जोकि हांसी के प्राचीन इतिहास के साक्षी हैं।

लोकगायन की सशक्त आवाज़ राजबाला बहादुरगढ़

कलाकार | **अंकुर शर्मा**

हरियाणवी लोकगीतों ने वैश्विक स्तर पर अपनी अमिट पहचान बनायी है। इसके लिए अनेक कवियों और कलाकारों का महनीय योगदान रहा है। एक समय जब हरियाणवी रागनी के क्षेत्र में पुरुष गायकों का बोलाबाला था और महिलाओं की उपस्थिति को संदेह और वर्जनाओं की दृष्टि से देखा जाता था, राजबाला ने न केवल माइक थामा, बल्कि अपनी बुलंद और आत्मविश्वासी आवाज़ से पुरुष-प्रधान गायकी के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राजबाला का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव सरथल में हुआ। ठेठ ग्रामीण परिवेश, सीमित संसाधन और साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि में पली-बढ़ी 'बाला' का बचपन खेतों की पगडंडियों, पशुओं की घंटियों और माँ की लोरियों के बीच बीता। औपचारिक शिक्षा भले ही अधिक न हो पाई हो, लेकिन प्रकृति और लोकजीवन ने उन्हें जो शिक्षा दी, वही उनकी असली पाठशाला बनी।

रेडियो पर बजने वाली रागनियां उनके मन में सुरों का पहला बीज बोती थीं। वह काम करते हुए, चारा काटते हुए या चूल्हे के पास बैठी-बैठी उन धुनों को गुनगुनाती रहतीं। पर उस दौर में बेटियों का ऊंचे स्वर में बोलना भी मर्यादा के विरुद्ध माना जाता था, मंच पर गाना तो दूर की बात थी। फिर भी उनके भीतर कहीं यह विश्वास पल रहा था कि सुरों से जुड़ा यह रिश्ता एक दिन उन्हें उनकी मंज़िल तक पहुंचाएगा। विवाह के बाद 'बाला' बहादुरगढ़ आकर बस गयी। सामान्यतः यह वह मोड़ होता है जहां अधिकांश बेटियों के सपने घरेलू जिम्मेदारियों में दबकर रह जाते हैं, पर उनके लिए यह नया जीवन एक नई कर्मभूमि बना। राजबाला बताती हैं कि पति रणबीर सिंह के सहयोग के प्रति कृतज्ञता जताने के लिए उन्होंने अपना नाम 'बाला' से राजबाला कर लिया, वहीं बहादुरगढ़ से उनके नाम के साथ 'बहादुरगढ़' जुड़ा और धीरे-धीरे वही उनकी पहचान बन गया। 2004 के आसपास उन्होंने मंचों पर कदम रखा। उस समय रागनी मंचों पर पुरुष गायकों का ही बोलबाला था। पंडित लख्मीचंद और मेहर सिंह की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले दिग्गज कलाकारों के बीच एक घूंघट में खड़ी महिला का गाना समाज के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था। राजबाला स्वयं कहती हैं "शुरुआत में बहुत ताने सुनने पड़े। लोग कहते थे कि बहू होकर मंच पर गाना शोभा नहीं देता लेकिन मेरे पति और परिवार ने मुझ पर विश्वास किया। उसी विश्वास ने मुझे समाज के डर से ऊपर उठना सिखाया।" यह समर्थन उनके संघर्ष की सबसे बड़ी ताकत बना। घर, बच्चे और जिम्मेदारियों के साथ-साथ उन्होंने सुरों की साधना जारी रखी और हर मंच पर खुद को बेहतर साबित करती चली गईं।

वर्तमान हरियाणा सरकार द्वारा संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें बहादुरगढ़ नगर परिषद् के लिए पार्षद मनोनीत किया गया है। प्रसिद्ध फल्गु लोककला महोत्सव में प्रस्तुति को राजबाला अपनी उपलब्धि मानती हैं। देश की सैकड़ों सांस्कृतिक संस्थाएं उन्हें सांस्कृतिक योगदान के लिए सम्मानित कर चुकी हैं। लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचने के बावजूद राजबाला की सादगी आज भी वैसी ही है। न दिखावा, न अहंकार- बस अपनी माटी से जुड़ा एक सरल व्यक्तित्व। वह मानती हैं कि रागनी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोकजीवन का आईना है, जिसमें समाज अपनी अच्छाइयों और कमज़ोरियों को देख सकता है। वास्तव में राजबाला बहादुरगढ़ केवल एक लोकगायिका ही नहीं, बल्कि हरियाणा की सांस्कृतिक चेतना की जीवंत प्रतीक हैं, जिनका लोकगायकी का यह सफर बताता है कि सच्ची प्रतिभा संसाधनों की नहीं, समर्पण और संघर्ष की मोहताज होती।

किस्सा गायकी की पहचान

हिसार के सुशीला भवन में भगत सिंह जयंती पर दी गई पहली प्रस्तुति से शुरू हुआ यह सफर देखते ही देखते प्रदेश भर के मंचों तक जा पहुंचा। राजबाला की गायकी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी 'किस्सा परंपरा' है। राजा नल-दमयंती, सत्यवान-सावित्री, हरिश्चंद्र और महाभारत जैसे प्रसंगों को जब वह रागनी में ढालती हैं, तो श्रोता केवल सुनते नहीं, उस कथा में जीने लगते हैं। वे बताती हैं कि 'लोकसंगीत की आत्मा शालीनता में बसती है, फूहड़ता में नहीं। उनका प्रयास गायकी में करुणा, वीर रस, भक्ति और प्रेम समाहित करने का रहता है।' लोकगायकी से मिला सम्मान और पहचान राजबाला विभिन्न टीवी चैनल्स और आकाशवाणी के अनेक केन्द्रों से रागनी की प्रस्तुति देने के साथ-साथ देशभर में लगभग 2500 सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं।

हिसार से अयोध्या के लिए विमानों ने भरी उड़ान, पीएम मोदी ने 503 करोड़ से तैयार होने वाले हवाई अड्डे के नए टर्मिनल-2 भवन की आधारशिला रखी

14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती पर हिसार स्थित महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं का शुभारंभ किया। पीएम मोदी ने हिसार से अयोध्या के लिए हरियाणा की पहली वाणिज्यिक फ्लाइट को रवाना किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने 503 करोड़ की लागत से तैयार होने वाले हवाई अड्डे के नए टर्मिनल-2 भवन की आधारशिला रखी।

हिसार जिले के लिए वर्ष 2025 कई खट्टी व मीठी यादों से भरा रहा। सालभर जिले को कई सौगातें मिली। कई ऐसे घटनाक्रम भी हुए जिनके कारण हिसार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चाओं में रहा। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हिसार से अयोध्या के लिए हरियाणा की पहली वाणिज्यिक फ्लाइट को रवाना किया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने 503 करोड़ की लागत से तैयार होने वाले हवाई अड्डे के नए टर्मिनल-2 भवन की आधारशिला रखी। थोड़े-थोड़े अंतराल के बाद हिसार एयरपोर्ट से चंडीगढ़ तथा जयपुर के बीच भी फ्लाइट का शुभारंभ हुआ। फिरोजशाह नगरी के आकाश में पहली बार हवाई रोमांच का नजारा दिखाई दिया, भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण टीम के जांबाज पायलटों ने हिसार एयरपोर्ट परिसर में हैरतअंगेज करतब दिखाए। गांव पेटवाड़ में जन्मे जस्टिस सूर्यकांत ने देश के सीजेआई की शपथ ली। साल के आखिरी माह में हिसार जिले का चौथी बार बंटवारा हुआ और हांसी प्रदेश का 23वां जिला बनकर उभरा। इसके अलावा वर्षभर अलग-अलग मौकों पर देश की कई राजनीतिक हस्तियों को हिसार आना-जाना लगा रहा। जून माह में वैदिक पथ के पथिक स्व. चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी 91 वर्षीय माता परमेश्वरी देवी निधन हो गया और उनका गांव खांडाखेड़ी में अंतिम संस्कार किया गया। राष्ट्रपति द्रोपद्री मुर्मु का हिसार आगमन हुआ तथा राष्ट्रपति ने गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की। मार्च माह में ही शहर की छोटी सरकार चुनी गई और भाजपा प्रत्याशी प्रवीन पोपली मेयर निर्वाचित हुए।

अप्रैल : नशामुक्ति अभियान शुरू

पांच अप्रैल को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हिसार में 'नशा मुक्त हरियाणा साइक्लोथॉन 2.0' का झंडी दिखा कर शुभारम्भ किया। सीएम ने हजारों की संख्या में उपस्थित जन को नशे के विरुद्ध शपथ दिलाई। इस मौके पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, विधायक सावित्री जिंदल, विनोद भयाना मौजूद रहे।

यूपीएससी में छाई ध्वनी

22 अप्रैल को यूपीएससी द्वारा सिविल सेवा परीक्षा के घोषित किए गए परिणाम में हिसार की बेटी ध्वनि ने 215वां रैंक हासिल किया। पीएलए में रहने वाली ध्वनि के पिता डॉ. आदर्श अग्रवाल रेडियोलोजिस्ट हैं और माता डॉ. रीना जैन हड्डी रोग विशेषज्ञ हैं।

पाकिस्तानी परिवार को कैंप भेजा

25 अप्रैल को सदर थाना क्षेत्र के गांव बालसमंद में रह रहे पाकिस्तानी परिवार को दिल्ली स्थित पाकिस्तानी कैंप में भेजा गया। जम्मू के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा की जा रही कार्रवाई के तहत ऐसा किया।

वित्त आयोग के अध्यक्ष का दौरा

29 अप्रैल को भारत सरकार द्वारा गठित 16वें केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढिया के नेतृत्व में आयोग ने दौरा किया। आयोग के अध्यक्ष कई स्थानों का दौरा किया।

मई : सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल

7 मई को जिला प्रशासन की ओर से राष्ट्रव्यापी नागरिक सुरक्षा अभ्यास के तहत जिले में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह मॉक ड्रिल सायं 4 बजे लघु सचिवालय परिसर, महाबीर स्टेडियम, नगर निगम, बरवाला, हांसी और नारनौंद उपमंडल में एक साथ शुरू हुई।

39 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

11-12 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बीच तलाशी अभियान के दौरान हांसी पुलिस ने ढाणी सांकरी स्थित एक ईंट भट्ठे से 39 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। ये सभी गैर कानूनी तरीके से ईंट भट्ठे पर रह रहे थे।

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा गिरफ्तार

17 मई को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में शहर में रहने वाली एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया गया। उक्त यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा शहर के घोड़ा फार्म रोड की रहने वाली है और ज्योति ट्रैवल ब्लॉगर का काम करती थी। सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट के बाद सिविल लाइन पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। ज्योति को अदालत में पेश किया गया, जहां से आगामी पूछताछ के लिए उसे पांच दिन के रिमांड पर भेज दिया गया।

बालसमंद माइनर में 40 फुट दरार

24-25 मई की रात्रि को बालसमंद माइनर में करीब 40 फुट दरार आ गई। इसके चलते रायपुर व सातरोड के आसपास क्षेत्रों तथा 220 केवी बिजली सब स्टेशन जलमग्न हो गए। इसके कारण आसपास के एक दर्जन से अधिक गांवों तथा शहर में चार दिन तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रही।

जून : नाबालिगों से रेप, दिव्यांग पकड़ा

4 जून को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने नाबलिग लड़कियों से रेप तथा उनका यौन शोषण करने के आरोप में जिले के एक गांव के दिव्यांग को गिरफ्तार किया। दिव्यांग पर लड़कियों के यौन शोषण के वीडियो इंटरनेट पर अपलोड कर उन्हें वायरल करने का भी आरोप था।

मुठभेड़ के बाद पांच गिरफ्तार

7 जून को गांव सीसवाला के पास एसटीएफ और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई, दो बदमाश गोली लगने से घायल हुए, मुठभेड़ में कुल 5 आरोपी गिरफ्तार हुए। बदमाशों के तार करनाल में फायरिंग कर शोरूम संचालक से रंगदारी मामले से जुड़े थे।

2025

हिसार जिले के लिए खट्टी-मीठी यादों से भरा रहा साल

जस्टिस सूर्यकांत बने सीजेआई और हिसार से निकला 23वां जिला हांसी

जम्मू के पहलगाम में हुए आंतकी हमले के बाद अप्रैल माह में ही हिसार के गांव बालसमंद में रह रहे पाकिस्तानी परिवार को दिल्ली स्थित पाकिस्तानी कैंप में भेजा गया है। गर्मियों में पेयजल संकट तथा मानसून सीजन में जलभराव के कारण लोग सरकार को कोसते नजर आए। हालात यह है कि जिले में आज भी कई एकड़ भूमि पर जलभराव के कारण रबी सीजन की बिजाई नहीं हो सकी। हांसी क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। मई में ही पुलिस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में शहर में रहने वाली एक यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को गिरफ्तार किया जो कि फिलहाल जेल में ही बंद है। रूस-यूक्रेन युद्ध में जिले के गांव मदनहेड़ी के सोनू की मौत हो गई। जून में स्कॉलरशिप नीति में बदलाव को लेकर छात्रों पर हकृवि के सुरक्षा कर्मियों ने लाठीचार्ज किया। इस पर विवि में लंबा आंदोलन चला और देशभर से छात्र संगठन से जुड़े नेता धरने पर पहुंचे। जुलाई में 12 क्वार्टर क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर की बर्थडे पार्टी में एक नाबालिग युवक गणेश की मौत का मामला भी लंबे समय तक सुर्खियों में रहा। जुलाई में गुरु पूर्णिमा के दिन ही छात्रों ने अपनी ही स्कूल प्रिंसिपल की चाकूओं से गोद कर हत्या कर दी। अग्रोहा क्षेत्र के गांव नंगथला के पास ट्रक व क्रेटा गाड़ी के बीच हुई टक्कर में चार युवकों की मौत हो गई। सितंबर माह में मिर्जापुर रोड स्थित दर्शन अकादमी स्कूल के पास हाईवोल्टेज तार टूट कर सड़क पर गिर गई और उसके संपर्क में आने से बाइक सवार चाचा-भतीजा सहित तीन की जान चली गई।

हिसार-चंडीगढ़ उड़ान शुभारंभ

9 जून को महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हिसार से चंडीगढ़ के शहीद भगत सिंह हवाई अड्डे के बीच शुरु हुई फ्लाइट का शुभारंभ किया। हिसार-चंडीगढ़ के बीच शुरु की गई इस सेवा की पहली फ्लाइट में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी खुद भी सवार हुए। पहली फ्लाइट ने शाम पांच बजकर 22 मिनट पर उड़ान भरी और करीब साढ़े छह बजे चंडीगढ में लैंड हुई।

कुलपति कार्यालय पर प्रदर्शन

10 जून को स्कॉलरशिप नीति में बदलाव के विरोध में कुलपति कार्यालय पर प्रदर्शन करने पहुंचे हकृवि के सुरक्षा गार्डों ने छात्रों को दौड़ा दौड़ाकर पीटा और रात को कुलपति की गाड़ी के सामने बैठने पर सुरक्षा गार्डों ने छात्रों पर लाठीचार्ज कर दिया। घायल लगभग डेढ़ दर्जन छात्रों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। विवि प्रशासन का आरोप था कि छात्रों ने सुरक्षा गार्डों पर पथराव किया उसके बाद स्थिति खराब हुई। लाठीचार्ज के मामले में सिविल लाइन पुलिस ने विवि के रजिस्ट्रार पवन कुमार, एस्सिटेंट प्रोफेसर राधेश्याम व चीफ सिक्योरिटी अधिकारी सुखबीर बिश्नोई सहित आठ पर केस दर्ज किया।

लापरवाही के मामले में घायल तीन पुलिस कर्मी किए सस्पेंड

3-4 जुलाई की रात राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गढ़ी गांव के समीप पीडब्ल्यूडी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा के काफिले को छोड़कर वापस आ रही हांसी पुलिस पीसीआर ट्रक के साथ टक्कर लगने से दुर्घटनाग्रस्त हुई थी और पीसीआर पर तैनात सब इंस्पेक्टर राजकुमार, सिपाही विजय व एसपीओ धर्मपाल घायल हो गए थे। पीसीआर में तैनात पुलिस कर्मियों ने झूठी सूचना कंट्रोल रूम दी थी कि मंत्री को छोड़कर वापस आते समय हादसा हुआ था, लेकिन जांच में सामने आया कि पीसीआर 2 ने पीडब्ल्यूडी मंत्री के काफिले को पायलट कर उन्हें 10:23 बजे पर रामायण टोल प्लाजा पर छोड़ दिया था। उसके बाद में पीसीआर-2 की ड्यूटी शहर थाना हांसी के एरिया में थी लेकिन पीसीआर स्टाफ अपने निजी कार्य से गाड़ी को लेकर भिवानी जिले के गांव मुंढाल चले गए और वापसी में सरकारी गाड़ी को ट्रक के पीछे दे मारी। एसपी ने इसी घोर लापरवाही मानते हुए घायल तीनों पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया था।

हिस्ट्रीशीटर की बर्थडे पार्टी पर हंगामा

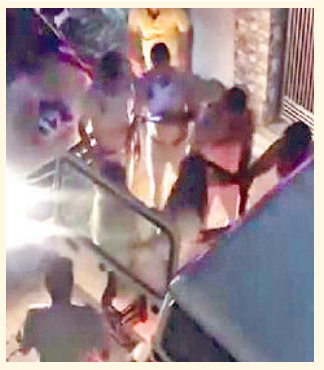

7 जुलाई को 12 क्वार्टर क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर की बर्थडे पार्टी में सड़क पर डीजे बजाने से मना करने पर पुलिस पर पथराव कर दिया गया जिसमें एसआई समेत 4 पुलिस कर्मियों को चोटें लगी। डर के मारे भाग रहे दो युवक छत से कूदे तो एक नाबालिग की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर घायल हो गया। पुलिस पर धक्का देकर छत से गिराने का आरोप लगा, 11 दिनों तक दलित संगठनों द्वारा धरना प्रदर्शन करने के बाद अज्ञात पुलिस कर्मियों पर केस दर्ज करने के बाद मृतक के परिजनों की मांगों के पूरा करवाने का आश्वासन देकर मंत्री कृष्ण बेदी की मौजूदगी में मृतक का अंतिम संस्कार करवाया।

पुलिस हिरासत में व्यक्ति की मौत पर मचा हंगामा

23 जुलाई को गांव मंगाली में पुलिस हिरासत के दौरान व्यक्ति संजय की मौत पर दिनभर हंगामा रहा। हिरासत में मौत से गुस्साए परिजनों व अन्य लोगों ने रोषस्वरूप पुलिस चौकी पर तीन घंटे तक ताला लगाए रखा और मामले में संलिप्त पुलिस कर्मियों पर केस दर्ज करने की मांग उठाई। पुलिस मंगलवार रात को मृतक की पत्नी की शिकायत पर उसे शराब के नशे में पकड़कर लाई थी और हवालात में बंद कर दिया था लेकिल बुधवार सुबह जब पुलिसकर्मियों ने देखा तो वह मृत पड़ा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन पुलिस चौकी पहुंचे और मामले की जांच की।

छात्रों ने की प्रिंसिपल की हत्या

10 जुलाई को नारनौंद उपमंडल के गांव बास में गुरु पूर्णिमा के मौके पर करतार सिंह मेमोरियल स्कूल स्कूल के दो छात्रों ने स्कूल प्रिंसिपल जगबीर की चाकुओं से गोद कर हत्या कर दी और फरार हो गए। छात्रों ने प्रिंसिपल द्वारा उन्हें अनुशासन में रहने का पाठ पढ़ाने पर वारदात को अंजाम दिया था।

हादसे में चार युवकों की मौत

27-28 जुलाई की अर्धरात्रि में जिले के अग्रोहा क्षेत्र के गांव नंगथला के पास ट्रक व क्रेटा गाड़ी के बीच हुई टक्कर में चार युवकों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि क्रेटा गाड़ी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और चारों युवक उसी में फंस गए, जिन्हें दरवाजे काटकर बाहर निकाला गया। हादसा अग्रोहा-बरवाला रोड पर नंगथला गांव के पास रविवार रात को हुआ। इसमें चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अग्रोहा क्षेत्र के किरोड़ी निवासी 27 वर्षीय राममेहर, 28 वर्षीय प्रवीण भादू व 24 वर्षीय रविन्द्र के रूप में हुई।

ड्रेन टूटने से खेतों में सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न

4 अगस्त को बरसाती पानी की निकासी व जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए बनाई गई ड्रेन ओवरफ्लो होने के चलते गांव पट्टी मंगल खां में समीप टूट गई जिससे गांव के खेतों में खड़ी सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न हो गई। अगले दिन सुबह जब ग्रामीण सो कर उठे और खेतों की ओर गए तो उन्हें खेतों में पानी ही पानी नजर आया। ड्रेन के टूटने से करीब 200 एकड़ में खड़ी फसलें जलमग्न हो गई।

हकृवि में सम्मेलन

21 अगस्त को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'विश्व उद्यमिता दिवस' के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करते हुए सीएम नायब सैनी ने हकृवि के 22 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि के रूप में 1 करोड़ 14 लाख 30 हजार रुपये से अधिक का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा और युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता मंत्री गौरव गौतम भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में राज्य भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, विद्यालयों और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के लगभग दो हजार विद्यार्थियों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 100 सफल उद्यमियों ने भाग लिया।

सीएम ने किया जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों दौरा

7 सितंबर को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिले के जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करके जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से स्थिति बारे अपडेट लिया और उन्हें आवश्यक निर्देश दिए।

हादसों ने रुलाया तो लड़ाकू विमानों ने दिखाए करतब

जनवरी में यह रहा

- 4 जनवरी को सुरेवाला चौक पर घने कोहरे के कारण बड़ा हादसा, कार चौक से टकराई, हादसे के दौरान बचाव के लिए भीड़ आई तो धुंध में अचानक भीड़ को कुचलता हुआ कैंटर चौक पर पलट गया, हादसे में दो की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन घायल हो गए।
- 22 जनवरी को हिसार में राजगढ़ रोड स्थित चौधरीवास-गोरछी मोड़ पर लॉरेंस गैंग के गुर्गे की रोहतक एसटीएफ से मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में रोहित गोदारा के गुर्गे यश के पैर में गोली लगी। आरोपी पर भिवानी में रंगदारी मांगने और फायरिंग का मामला दर्ज है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।
- 22 जनवरी को उकलाना क्षेत्र के गांव साहू से बेटियों के साथ लापता विवाहिता नीलम और उसकी एक बेटी दीपांशु का शव सिरसा की नहर से बरामद हुआ। पुलिस जांच में सामने आया कि नीलम की पांच बेटियों थी, लेकिन वह बेटा नहीं होने से दुखी थी।

फरवरी

- 5 फरवरी को हिसार महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट हिसार पर पहली बार भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान उतरे, तीन दिन तक प्रशिक्षण कार्यक्रम चला
- 8 फरवरी को ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 38वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटी नॉर्थ वेस्ट जॉन यूथ फेस्टिवल का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन अवसर पर तत्कालीन राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शिरकत की। पांच दिवसीय युवा महोत्सव में उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के 23 यूनिवर्सिटी ने हिस्सा लिया।

मार्च

- 6 मार्च को शेखपुरा गांव के सरपंच प्रदीप लाढी व ढाणी पुरियां में झोलाछाप डॉक्टर सुरेश के घर के बाहर हवाई फायर करने वाले बदमाशों व हांसी पुलिस की टीम के बीच देर रात फायरिंग हुई है। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोलियां लगी।

- 10 मार्च राष्ट्रपति द्रौपद्री मुर्मु गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शिरकत करने पहुंची और उन्होंने विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की। इस दौरान प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विवि के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में पीस पैलेस के प्रांगण में राष्ट्रपति मुर्मु ने 'समग्र कल्याण के लिए आध्यात्मिक शिक्षा' प्रोजेक्ट का ज्योत प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया।
- 12 मार्च को शहर की छोटी सरकार चुनी गई और भाजपा प्रत्याशी प्रवीन पोपली मेयर निर्वाचित हुए, नगर निगम के 20 वार्डों में से भाजपा की टिकट से 17, कांग्रेस से 1 तथा 2 निर्दलीयों ने जीत दर्ज की।
- 14 मार्च को बरवाला क्षेत्र के गांव सरहेड़ा में ईंट भट्ठे पर काम करने वाले दंपति के बीच हुई कहासुनी के बाद पत्नी ने पति की ईंट मारकर निर्मम हत्या कर दी। फाग के दिन शाम को हुई उक्त घटना के समय पति व पत्नी ने शराब पी रखी थी।

कई पलों ने किया जिले को गौरवान्वित

हिसार से जयपुर के लिए हवाई सेवाओं का शुभारंभ

12 सितंबर को मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ से वर्चुअल माध्यम से महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट हिसार से जयपुर के लिए हवाई सेवाओं को शुभारंभ किया। सीएम ने जल्द ही हिसार से अहमदाबाद व जम्मू तक हवाई सेवाओं शुरू होने की भी घोषणा की। इससे पहले हिसार से अयोध्या, दिल्ली तथा चंडीगढ़ के बीच हवाई सेवाओं की शुरुआत हो चुकी है।

सूर्यकिरण टीम के जांबाज पायलटों ने दिखाए करतब

21 सितंबर को फिरोजशाह नगरी के आकाश में पहली बार हवाई रोमांच का नजारा दिखाई दिया, वायु सेना की सूर्यकिरण टीम के जांबाज पायलटों ने हिसार एयरपोर्ट परिसर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में हैरतअंगेज करतब दिखाए। इससे मौके पर मौजूद दर्शक गदगद हो गए।

भारत मित्र स्तंभ देखने खांडा खेड़ी पहुंचा नीदरलैंड का दल

12 दिसंबर को भारत मित्र स्तंभ देखने नीदरलैंड का दल खांडा खेड़ी पहुंचा। नीदरलैंड से वर्ल्ड बॉक्सिंग संघ के पूर्व अध्यक्ष बोरिस वैन डेर वॉर्स्ट अपने पूरे परिवार सहित गांव खांडा खेड़ी पहुंचे। हरियाणा ओलंपिक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष व हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल ओर उनकी धर्मपत्नी अनिका भी उनके साथ रहे।

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की नई प्रणाली लागू

1 दिसंबर को नई सोच, नया हिसार के तहत नगर निगम ने शहर की सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की नई प्रणाली लागू की है। आगामी पांच वर्षों तक यह जिम्मेदारी दो एजेंसियों-करणी कॉरपोरेशन और वी वाइस लैब्स प्राइवेट लिमिटेड को सौंपी है।

हांसी को प्रदेश 23वां जिला बनाने का ऐलान हुआ

16 दिसंबर को तोशाम रोड स्थित आटो मार्केट में आयोजित हांसी विकास रैली में मुख्यमंत्री नायब सैनी से हांसी को नया जिला बनाने की घोषणा की। हांसी हरियाणा का 23वां जिला बना। मुख्यमंत्री ने हांसी को जैसे ही जिला बनाने की घोषणा की, वैसे ही रैली में उपस्थित हजारों लोगों ने खड़े होकर तालियां बजाई। इसके साथ ही शहर में आतिशबाजी शुरू हो गई।

खबर संक्षेप

नशीला पदार्थ हेरोइन सप्लायर गिरफ्तार

हांसी। स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस ने 5 ग्राम 56 मिलीग्राम हेरोइन सप्लायर ढाणी पीरावाली निवासी महेंद्र को गिरफ्तार किया है। पीएसआई मोहित कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने कुछ दिनों पहले हिसार जिले के गांव पातन निवासी महाबीर को 5 ग्राम 56 मिलीग्राम हेरोइन सप्लाई की थी। आरोपी के खिलाफ सदर थाना हांसी में मामला दर्ज किया गया था। स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बुजुर्ग को तलाश कर परिजनों तक पहुंचाया

हांसी। पुलिस आमजन की सुरक्षा व सहायता के लिए निरंतर संवेदनशील व सक्रिय भूमिका निभा रही है। इसी कड़ी में सिसाय पुल चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर रविकांत ने खरकड़ा गांव निवासी 85 वर्षीय बुजुर्ग गुमशुदा हरिराम को तकनीकी संसाधनों और स्थानीय नेटवर्क की मदद से सर्च कर उसे सुरक्षित बरामद कर परिजनों से मिलवाया। गुमशुदा हरिराम के मिलने पर परिजनों ने पुलिस का आभार जताते हुए कहा कि पुलिस की तेज कार्रवाई व मानवीय संवेदना ने उन्हें बड़ी राहत दी है। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने पुलिस चौकी सिसाय पुल की टीम की प्रशंसा करते हुए कहा हांसी पुलिस का लक्ष्य सिर्फ कानून व्यवस्था बनाए रखना नहीं, बल्कि मानवता की सेवा करना भी है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि किसी भी गुमशुदगी या आपात सूचना के लिए तुरंत पुलिस को सूचित दें ताकि शीघ्र सहायता मिल सके।

जय बाबे दी-जय माता दी के जयघोष से गूंजा मंदिर

हिसार। तरसेम नगर स्थित सिद्ध बाबा बालक नाथ एवं दुर्गा माता मंदिर से 32वीं पैदल यात्रा लुधियाना के लिए रवाना हुई। पैदल यात्रा मंदिर के मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता के नेतृत्व में शुरू हुई। यात्रा के शुभारंभ के अवसर पर मंदिर प्रांगण जय बाबे दी, जय माता दी के जयघोष से गूंज उठा। पैदल यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला। इस पैदल यात्रा में सैंकड़ों की संख्या में पुरुष, बच्चे, बुजुर्ग व महिला श्रद्धालु शामिल थे। पैदल यात्रा से पूर्व मंदिर के मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता ने कहा कि हमें भगवान के नाम का सच्चे मन से सिमरन करना चाहिए, न कि किसी की निंदा या चुगली। यदि हम सत्संग में बैठकर भी निंदा-चुगली करते हैं तो ऐसे सत्संग में बैठने का कोई लाभ नहीं।

द इनर क्लासरूम रिट्रीट का आयोजन कल

हिसार। ब्रह्माकुमारीज हिसार के तत्वावधान में शिक्षकों के मानसिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक सशक्तिकरण के लिए एक विशेष कार्यक्रम 'द इनर क्लासरूम रिट्रीट' का आयोजन किया जाएगा। हिसार केंद्र प्रमुख बीके रमेश कुमारी ने बताया कि यह रिट्रीट 30 दिसंबर को बालसमंद रोड स्थित पीस पैलेस में होगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. ईवी स्वामीनाथन होंगे, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध लाइफ कोच, काउंसलर एवं मोटिवेशनल स्पीकर हैं। प्रभावी शिक्षण के लिए समग्र बुद्धिमत्ता, ध्यान का विज्ञान, आत्म-सशक्तिकरण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति जैसे उपयोगी] प्रेरणादायक सत्र आयोजित किए जाएंगे।

अखंड ज्योति के दर्शन कर अभिभूत हुए श्रद्धालु

हिसार। महाभारतकाल के साक्ष्यों से रूबरू करवाने वाले प्रसिद्ध बीड़ बबरान धाम का 16वां निशुल्क ताली कीर्तन धूमधाम से आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं को अध्यात्म से जोड़ने के लिए हिसार की महावीर कॉलोनी के चांदनी चौक के पास पूरी आस्था से ताली कीर्तन के अंतर्गत भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान बीड़ बबरान धाम से लाई गई अखंड ज्योति के दर्शन करके श्रद्धालु अभिभूत हो गए। इस अवसर पर बीड़ बबरान धाम के 31 दिसंबर के सांवरे की महफिल भजन कार्यक्रम एवं 1 जनवरी के विशेष कढ़ी कचोरी प्रसाद वितरण की जानकारी भी साझा की गई।

मनरेगा से गांधी का नाम हटाना गरीबों के संवैधानिक अधिकारों पर हमला : बृजलाल

नाम बदलने से मजदूर का पेट नहीं भरता, अधिकारों की लड़ाई लड़ेंगे

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर ज़िला कांग्रेस कमेटी की ओर से ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजन।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर ज़िला कांग्रेस कमेटी की ओर से ज़िला कांग्रेस भवन में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ज़िला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने कांग्रेस ध्वज फहराया।

ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुए ज़िला अध्यक्ष ग्रामीण बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि आज हम उस पार्टी का स्थापना दिवस मना रहे हैं जिसने 140 वर्षों से अधिक समय तक इस देश के लिए संघर्ष किया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि भारत के लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक न्याय की आत्मा रही है। उन्होंने कहा कि आज़ादी के बाद कांग्रेस ने देश को संविधान, लोकतंत्र, न्याय और समानता का मार्ग दिखाया। बैंकों का राष्ट्रीयकरण, पंचायती राज व्यवस्था, हरित क्रांति, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, भोजन का अधिकार और मनरेगा जैसे ऐतिहासिक जनहित कानून कांग्रेस की जनपक्षधर सोच का परिणाम हैं।

कांग्रेस ने केवल नारे नहीं दिए, बल्कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा देकर आम आदमी के जीवन में वास्तविक बदलाव किया।

घटाया जा रहा बजट

बहबलपुरिया ने आरोप लगाया कि आज मनरेगा के बजट में लगातार कटौती की जा रही है, मजदूरी समय पर नहीं मिल रही, काम के दिन घटाए जा रहे हैं और अब नाम बदलकर यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि सब कुछ बेहतर हो गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नाम बदलने से मजदूर का पेट नहीं भरता और न ही बेरोजगार को काम मिलता है। यह गरीबों के अधिकारों को कमजोर करने की सोची-समझी राजनीतिक चाल है।

भाजपा सरकार पर आरोप

जिला अध्यक्ष बहबलपुरिया ने कहा कि आज स्थापना दिवस के इस अवसर पर जब कांग्रेस का ध्वज फहराया जा रहा है, उसी समय देश के सामने एक खतरनाक सच्चाई भी खड़ी है, जिस पर चुप रहना अपराध होगा। भाजपा सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के नाम से महात्मा गांधी का नाम हटाने की चाल चली है। यह केवल नाम बदलने का मामला नहीं है, बल्कि गांधी जी की सोच, उनके आदर्शों और उनकी आत्मा पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को मनरेगा से समस्या रोजगार से नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के नाम से है। गांधी जी कहते थे कि काम मांगना भीख नहीं, अधिकार है और गरीब को रोजगार देना राष्ट्र का धर्म है लेकिन भाजपा की सोच इसके बिल्कुल उलट है। वह चाहती है कि गरीब चुप रहे, मजदूर सवाल न करे और किसान अपनी बदहाली को किस्मत मान ले।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित मेडिटेशन कैंप में हिस्सा लेते साधक।

रचनात्मकता को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

ध्यान और रचनात्मकता पर आधारित एक दिवसीय मेडिटेशन कैंप का आयोजन ओशो ध्यान उपवन में किया गया। इस ध्यान शिविर में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वामी संजय व मां सांची ने ध्यान विधियों की जानकारी साझा की। उन्होंने सतगुरु ओशो द्वारा बताई गई ध्यान की सरल विधियों का अभ्यास करवाते हुए ध्यान का महत्व भी स्पष्ट किया। सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में मेडिटेशन कैंप के दौरान विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। हिसार से बाहर से पधारे साधकों के आवास व भोजन की समुचित व्यवस्था ओशो उपवन में ही रही। इस अवसर पर स्वामी संजय ने ओशो की देशनाओं से रूबरू करवाते हुए रचनात्मकता को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रचनात्मक सोच हर विषम परिस्थिति में मार्गदर्शक का कार्य करती है। उन्होंने समझाया कि इंसान हर समय झंझावातों में उलझा रहता है लेकिन मन के संघर्ष को छोड़कर ध्यान और मौन से ही सच्ची रचनात्मकता आती है। ध्यान, जागरूकता और आंतरिक अनुभूति के अस्तित्व में आते ही सच्ची रचनात्मकता दिखने लगती है। स्वामी संजय ने कहा कि देखा जाए तो ध्यान और रचनात्मकता अपने आप में गहरे से जुड़े हुए हैं। मन में निरंतर चल रहे विचारों व शोर को ध्यान शांत करता है जिससे मौन की स्थिति उत्पन्न होती है।

क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने प्रतिभा का दिया परिचय

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

नारनौंद। क्विज प्रतियोगिता में छात्रों को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि।

राखीगढ़ी महोत्सव के तहत आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जिले के तीन ब्लॉकों से आए 18 स्कूलों के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता और इतिहास की समझ का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता पूरे दिन चली, जिसमें विभिन्न राउंड के जरिए बच्चों की ज्ञान, तर्कशक्ति और टीमवर्क की परीक्षा ली गई।

प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी डॉ. अजय लोहान ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय सभ्यता, हड़प्पा संस्कृति और स्थानीय विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। बच्चों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया, जिससे माहौल जीवंत बना रहा। अंतिम राउंड के परिणामों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेरी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रतियोगिता में बाजी मारी। वहीं आरपीएस हांसी की टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि जीएमएसएसएसएस उकलाना मंडी की टीम तीसरे स्थान पर रही। विजेता और प्रतिभागी टीमों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। अजय लोहान ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को इतिहास से जोड़ने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करते हैं।

धरातल पर नहीं हो रहा अग्रोहा धाम टीले की खुदाई का काम : बजरंग गर्ग

हिसार। अग्रवाल समाज के प्रतिनिधियों की बैठक अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इइसमें अग्रोहा के विकास बाबत विचार किया गया। अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने संबोधित करते हुए कहा कि अग्रोहा धाम टीले की खुदाई का काम कागजों में शुरू है मगर धरातल पर काम नहीं हो रहा है। अग्रोहा टीले की खुदाई का काम शुरू हुए लगभग एक साल से ज्यादा हो गया है। अग्रोहा टीले की खुदाई का काम धीमी गति से होने से जनता में भारी नाराजगी है जबकि अग्रोहा टीले की खुदाई का काम बीच में तीन बार बंद करना भी उचित नहीं है। देश के कोने-कोने से लोग अग्रोहा धाम में दर्शन करने व अग्रोहा टीले का इतिहास जानने के लिए आते हैं मगर टीले की खुदाई ना होने और टीले के इतिहास की जानकारी ना मिलने से जनता निराश होती है जो उचित नही है। सरकार को अपनी घोषणा के अनुसार तुरंत प्रभाव से अग्रोहा टीले की खुदाई काम पूरा करना चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि अग्रोहा टीला पहले महाराजा अग्रसेन जी का 125 एकड़ में हुआ करता था। महाराजा अग्रसेन जी ने अग्रोहा में समाजवाद को बढ़ावा देते हुए आपसी भाईचारा का संदेश दिया था। महाराजा अग्रसेन जी ने जरूरतमंद व गरीबों की हर संभव मदद करके उन्हें ऊंचा उठाने का काम किया। सरकार को महाराजा अग्रसेन जी की धर्मनगरी अग्रोहा को पर्यटन स्थल बनाना चाहिए।

खैरी स्कूल के छात्रों ने क्विज प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया

हिसार। राखीगढ़ी महोत्सव में पहुंचे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खैरी के छात्र एवं शिक्षकगण।

हिसार। राखीगढ़ी महोत्सव में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खैरी के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस महोत्सव में विद्यालय के 61 विद्यार्थियों ने भाग लिया। महोत्सव के दौरान नृत्य एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के 8 विद्यार्थियों ने भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता में विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए जीएसएसएस खैरी ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में आरपीएस हांसी द्वितीय स्थान पर रहा। इस सफलता में ईशु, किरण एवं पूजा का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए विद्यालय की प्रतिष्ठा को ऊंचाइयों तक पहुंचाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य यशपाल मोर ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया तथा उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान शिक्षिकगण संतोष, दीपा, कृष्ण मलिक, सत्यवान शर्मा सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे और उनका उत्साहवर्धन किया।

जाट सेवक संघ की प्रतिभा खोज परीक्षा सफलतापूर्वक सम्पन्न

हिसार। जाट सेवक संघ की ओर से जाट समाज के 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को किया प्रदेशभर में किया गया। ओएमआर शीट आधारित इस परीक्षा में हजारों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा का संचालन प्रदेश के विभिन्न जिलों हिसार, भिवानी, कुरुक्षेत्र, फतेहाबाद, फरीदाबाद, कैथल, रोहतक, जींद, सिरसा व सोनीपत में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर सुचारू एवं शांतिपूर्वक तरीके से किया गया।परीक्षा में कुल 60 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए तथा समय दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक निर्धारित रहा। संघ के प्रवक्ता सुरेन्द्र पानू हिन्दुस्तानी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में पहले सात विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा, साथ ही भाग लेने वाले पहले 50 विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में से 10 जरूरतमंद विद्यार्थियों की आगे की दो वर्ष की शिक्षा का संपूर्ण खर्च जाट सेवक संघ द्वारा वहन किया जाएगा। जाट सेवक संघ के प्रधान राजेश बड़ाला ने कहा कि यह परीक्षा जाट समाज के होनहार एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पहचान देने का एक सशक्त माध्यम है। हमारी कोशिश है कि समाज का कोई भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। महासचिव जोगिन्द्र पातड़ ने कहा कि जाट सेवक संघ शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सकारात्मक प्रयास कर रहा है।

मास्टर मोलड़ सिंह अडिग वर्ग योद्धा थे : फूलसिंह श्योकंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ उकलाना मंडी

उकलाना मंडी:। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित किसान नेता व गणमान्य व्यक्ति।

अखिल भारतीय किसान सभा की ओर से गांव सुरेवाला में किसान-मजदूर वर्ग के जुझारू नेता, जनपक्षधर शिक्षक एवं क्रांतिकारी सामाजिक कार्यकर्ता मास्टर मोलड़ सिंह आर्य की स्मृति में एक वैचारिक-संघर्षशील श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा की संयुक्त अध्यक्षता किसान सभा राज्य नेता शमशेर सिंह नंबरदार व जिला प्रधान अध्यापक संघ हिसार प्रमोद जांगड़ा ने की, जबकि मंच संचालन अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन के जिला प्रधान मियां सिंह बिठमड़ा ने किया।

किसान सभा नेता फूलसिंह श्योकंद ने कहा कि मास्टर मोलड़ सिंह आर्य पूंजीवादी–सामंतवादी शोषण, राज्य दमन और कारपोरेट–राज्य गठजोड़ के खिलाफ जीवनभर संघर्ष करने वाले अडिग वर्ग-योद्धा थे। मियां सिंह बिठमड़ा ने कहा कि उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद भी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया। सभा में टेकचंद सिवानी, कृष्ण कुमार नैन, ऋषिकेश राजली, दिनेश सिवाच, जगतार सिंह, कश्मीर सिंह सेलवाल, सरदानंद राजली, नरेश दनोदा सहित अनेक संगठनों के नेताओं ने विचार रखे। आर्य की पोती वंदना व परिवारजनों सहित सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

भगवान परशुराम जन सेवा समिति ने वीर बाल दिवस मनाकर किया शहीदों को याद

हिसार। शहीदी पखवाड़े के अंतर्गत भगवान परशुराम जन सेवा समिति ने न्यू ऋषि नगर स्थित ब्रह्म पाठशाला में गुरु गोविंद सिंह और उनके चारों साहिबजादों जीत सिंह, जुझार सिंह, फतेह सिंह व जोरावर सिंह की शहादत पर वीर बाल दिवस मना कर उनकी शहादत को याद किया। कार्यक्रम में नगर के अनेक गणमान्य लोगों के अलावा स्कूली बच्चों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के मुख्य संरक्षक एचके शर्मा ने की। इस दौरान जपजी साहिब का पाठ किया गया। 108 हनुमान चालीसा के पाठ किए गए। भजन गायक शिवजीत ने प्रेरणादायी भजनों द्वारा शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। गुरुद्वारा सिंह सभा की ओर से पूर्व प्रधान सुखविंद्र सिंह व अन्य सदस्यों ने भाग लेकर शहीदों को याद करते हुए कहा कि इन वीरों ने अपना धर्म नहीं बदला, उसके बदले में अपनी कुर्बानियां तक दे दी। वीर बहादुरों द्वारा बचपन में ही दी गई कुर्बानियों के बाद आज हमारा धर्म जिंदा है।

कार्यक्रम — सकारात्मक सोच और जनभागीदारी का संदेश दिया

पीएम मोदी ने आईसीएमआर की रिपोर्ट का किया उल्लेख

पूर्व मंत्री डॉ. गुप्ता ने सुनी प्रधानमंत्री की 'मन की बात'

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। मन की बात कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. कमल गुप्ता व अन्य पार्टीजन।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय जनसंवाद कार्यक्रम 'मन की बात' का 129वां एपिसोड आज भाजपा नेता सुनील वर्मा एवं पार्षद ज्योति वर्मा के आवास पर टीवी के माध्यम से अत्यंत सुना गया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम उपरांत पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने प्रधानमंत्री द्वारा 'मन की बात' में कही गई प्रत्येक बात पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 की उपलब्धियों का स्मरण कराते हुए देश की एकता, सामूहिक प्रयासों और राष्ट्र की बढ़ती वैश्विक पहचान को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। देश की सुरक्षा से लेकर खेल, विज्ञान, अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक भारत ने अपनी मजबूत छाप छोड़ी है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आने वाले वर्ष 2026 के लिए सकारात्मक सोच और जनभागीदारी का संदेश दिया, जो राष्ट्र निर्माण की दिशा में मार्गदर्शक सिद्ध होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा एंटीबायोटिक दवाओं के बढ़ते और बिना सलाह उपयोग पर व्यक्त चिंता को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। प्रधानमंत्री ने आईसीएमआर की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए चेताया कि बिना चिकित्सकीय परामर्श दवाओं के सेवन से दवाएं कमजोर हो रही हैं, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का कारण बन सकती हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पार्षद ज्योति वर्मा, कृष्ण बिश्नोई, सुरेश गोयल धूपवाला, राजेंद्र मेहता, इंद्रजीत चावला, महेंद्र वर्मा, मुकेश, कृष्ण रहेजा, लोकेश असीजा, सुनील वर्मा, मनोज, मदन, अनुज जैन, ईश बत्रा, अरुण बत्रा, रिंकू व यशपाल सहित अन्य भी मौजूद रहे।

दयानंद स्कूल बरवाला में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

बरवाला। मॉडल टाउन बरवाला में स्थित दयानंद पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी सतीश शर्मा, सुनील बूरा, डॉ. नवीन कौशिक, विकास व डॉ. नरेश शर्मा ने किया। स्कूल प्रबंधक संदीप भनवाला ने बताया कि पहले दिन हुए खेलों में नेशनल कबड्डी में अंकुश की टीम ने रोहित की टीम को 31-23 अंकों के अंतर और अमित की टीम ने गौरव की टीम को 36-27 के अंतर से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इसी प्रकार सीनियर वर्ग बैडमिंटन लड़कियों में पूजा, खुशी, अनु व सीमा के बीच मुकाबला रहा। लड़कों में अनुज, प्रिंस, मंगलदास, मयंक व मोहित के बीच मैच खेला गया। जूनियर वर्ग बैडमिंटन में लाल बहादुर शास्त्री हाउस व रानी लक्ष्मी बाई हाउस के बच्चे फाइनल में पहुंचे। सब जुनियर में भगत सिंह हाउस व लाल बहादुर शास्त्री हाउस के बच्चो के बीच कड़ा मुकाबला रहा। कट्टा रेस सीनियर ग्रुप में सपना, शिवानी, शुभम, अंकुश व अमित ने फाइनल में प्रवेश किया। जूनियर वर्ग में दीपांशु, विष्णु, सागर, यासीन व छायांक फाइनल में पहुंचे। मंच का संचालन कॉर्डिनेटर नरेश भ्याण ने किया और निर्णायक की भूमिका संदीप सांगवान, मोनिका, अंजू, हरीश, सीमा कुंडू, अजय व गुलशन ने निभाई। इस खेल प्रतियोगिता में विजेता रहने वाले खिलाड़ियों को समापन पर 30 दिसंबर को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। स्कूल डायरेक्टर सत्यवान कुंडू व प्राचार्या सीमा भनवाला ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया।

नववर्ष पर पिलाएंगे दूध, खिलाएंगे जलेबी

हिसार। शहीद भगत सिंह जन कल्याण मोर्चा नव वर्ष का स्वागत युवाओं को दूध पीलाकर और जलेबी खिलाकर करेगा। शहर में तीन स्थानों जिंदल अस्पताल के सामने, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय गेट नंबर 4 व मधुबन पार्क मोड पर और गांव डोभी में दूध जलेबी का वितरण किया जाएगा।

जिला पार्षद आशीष गोदारा कुक्की ने बताया कि नव वर्ष की शुरुआत किसी तरह का नशा या फिर शराब पीकर न करे बल्कि दूध जलेबी के साथ करें, इसी मकसद से मोर्चा 11वां दूध जलेबी महोत्सव मना रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पहचान सेना में जवान तथा खेलों में देश के लिए पदक लाने वाले वालों युवाओं से है। इसी पहचान को बरकरार रखना है। उन्होंने कहा कि समाज में तेजी से नशा फैल रहा है लेकिन हमारा मकसद दूध जलेबी महोत्सव से युवाओं को नशा न करने के लिए प्रेरित करना है।